PRESS RELEASE

Curtain Raiser of Technotex 2018 'Technical Textiles: Transforming India "Building Infrastructure for a New India'

TECHNOTEX-2018, India's premier show on technical textiles is held every year and 7th edition of the same is being organized on 28 and 29 June 2018 at Bombay Convention & Exhibition Centre in Mumbai. As a precursor to that and to mark the beginning of the Technotex 2018, a curtain Raiser was held on 17th May 2018 at Federation House, FICCI, New Delhi with technical support by Bureau of Indian Standards (BIS). Following two Indian Standards of National Importance on Protective Textiles and Event Brochure on Technotex-2018 were released by Shri Anant Kumar Singh, Secretary, Textiles, Government of India at the ceremony.

- 1) IS 16874: 2018 Textiles Protective gloves for firefighters Specification
- 2) IS 16890:2018 Textiles Protective clothing for firefighters Specification

The release of above Indian Standards reinforced and reiterated the commitment of BIS for protection of health, safety and environment and to take standardization in the field of technical textiles to greater heights.

Along with the Secretary, Textiles, Shri Varghese Joy, Scientist-G and DDG, BIS, Dr. Kavita Gupta, Textile Commissioner, Ministry of Textiles, Shri Puneet Agrawal, Joint Secretary, Ministry of Textiles and Shri S K Khandelia, Co-Chairman, FICCI Textile Committee graced the ceremony.

While addressing the august gathering, Shri Varghese Joy highlighted that around 1250 Indian Standards has been published in the field of textiles by BIS and out of this 40 % standards are on technical textiles and related subjects. He also detailed about the various initiative undertaken by BIS to bolster the standardization activity which include improved communication and participation by stakeholders, use of IT enable tools and active participation at international level.

Presiding on the occasion *Shri Anant Kumar Singh*, *Secretary, Textiles* pointed out that the India is still lagging behind in the field of Technical Textiles when compared with other developed countries and there is need to shift the focus from cotton based manufacturing of Technical Textiles in India to Man made fibre based manufacturing to provide a philip to exports of these products. He urged the stakeholder to use this opportunity to strengthen their manufacturing base and also to explore the possibility of collaboration with foreign manufacturers.

प्रैस रीलीज

टेक्नोटैक्स 2018 'तकनीकी वस्त्रादि : बदलता भारत "नए भारत के लिए इन्फ्रास्ट्रेक्चर का निमार्ण" का कर्टन रेजर

टेक्नोटैक्स-2018, हर वर्ष तकनीकी वस्त्रादि पर आयोजित होने वाली भारत की प्रमुख प्रदर्शनी है और इसका 7वाँ संस्करण मुंबई में बॉम्बे कन्वेन्शन एण्ड एक्जीबिशन हॉल में दिनांक 28 और 29 जून 2018 को आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व सूचना के रूप में और टेक्नोटैक्स 2018 की शुरुआत को रेखांकित करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा तकनीकी सहायता से फेडरेशन हाउस, फिक्की, नई दिल्ली में दिनांक 17 मई 2018 को कर्टन रेजर आयोजित किया गया। इस समारोह में श्री अनंत कुमार सिंह, सचिव, भारत सरकार द्वारा सुरक्षात्मक वस्त्रादि पर राष्ट्रीय महत्त्व के निम्नलिखित दो भारतीय मानकों और टेक्नोटैक्स 2018 के कार्यक्रम की विवरणिका का विमोचन किया गया।

- 1) आईएस 16874 : 2018 वस्त्रादि अग्निशामकों के लिए सुरक्षात्मक दस्ताने विशिष्टि
- 2) आईएस 16874 : 2018 वस्त्रादि अग्निशामकों के लिए सुरक्षात्मक वस्त्रादि विशिष्टि

उपरोक्त भारतीय मानकों के विमोचन ने स्वास्थ्य, सुरक्षा और पर्यावरण के संरक्षण के लिए तकनीकी वस्त्रादि के क्षेत्र में मानकीकरण को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बीआईएस के समर्पण को पुनःबल प्रदान किया है तथा दोहराया है।

इस कार्यक्रम के अवसर पर सचिव, वस्त्रादि के साथ श्री वर्गीस जॉय, वैज्ञानिक-जी, तथा उपमहानिदेशक, बीआईएस, डॉ. कविता गुप्ता, वस्त्र आयुक्त, वस्त्र मंत्रालय, श्री पुनीत आग्रवाल, संयुक्त सचिव, वस्त्र मंत्रालय, और श्री एस.के. खंडेलिया, सह-संस्थापक, फिक्की वस्त्र समिति ने समारोह की शोभा बढाई।

इस भव्य समारोह को संबोधित करते हुए, श्री वर्गीस जॉय ने बताया कि बीआईएस द्वारा वस्त्रादि के क्षेत्र में 1250 के लगभग भारतीय मानक प्रकाशित किए गए हैं और इनमें से 40 प्रतिशत मानक तकनीकी वस्त्रादि और इससे संबंधित विषयों पर हैं। उन्होंने मानकीकरण गतिविधि को बढ़ाने के लिए बीआईएस द्वारा की गई विभिन्न ऐसी पहलों के विवरण दिए, जिनमें स्टेकहोल्डरों के संप्रेषण में सुधार और सहभागिता, आईटी सक्षम उपकरणों के प्रयोग और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सिक्रय सहभागिता शामिल हैं।

श्री अनंत कुमार सिंह, सचिव, वस्त्र मंत्रालय ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बताया कि अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत आज भी तकनीकी वस्त्रादि के क्षेत्र में पीछे है और इन उत्पादों के निर्यात का अवसर उपलब्ध कराने हेतु भारत में तकनीकी वस्त्रादि का विनिर्माण करने में कपास आधारित से बने वस्त्रादि की तुलना में वस्त्रादि के विनिर्माण को बल देने की आवश्यकता है। उन्होंने स्टेकहोल्डरों को अपने विनिर्माण आधार को सशक्त बनाने के लिए इस अवसर का उपयोग करने का आग्रह किया और विदेशी विनिर्माताओं के साथ सहयोग की संभावनाओं को भी खोजने पर भी बल दिया।



